ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, कृषि मौसम विभाग
डा० राजेन्द्र प्रसाद केन्द्रीय कृषि विश्वविद्यालय
पूसा,समस्तीपुर (बिहार)-८४८१२५

बुलेटिन संख्या-३९
दिनांक- शुक्रवार, १२ जून, २०२०

विगत मौसम पूर्वानुमान अवधि का आकलन

मौसमीय वेद्यशाला पूसा के आकलन के अनुसार पिछले तीन दिनों का औसत अधिकतम एवं न्यूनतम तापमान क्रमशः ३६.० एवं २२.६ डिग्री सेल्सियस रहा। औसत सापेक्ष आर्द्रता ८५ प्रतिशत सुबह में एवं दोपहर में ५० प्रतिशत, हवा की औसत गति ७.० कि०मी० प्रति घंटा एवं दैनिक वाष्पण ४.१ मि०मी० तथा सूर्य प्रकाश अवधि औसतन ९.३ घन्टा प्रति दिन रिकार्ड किया गया तथा ५ से०मी० की गहराई पर भूमि का औसत तापमान सुबह में ३०.३ एवं दोपहर में ३५.१ डिग्री सेल्सियस रिकार्ड किया गया। इस अवधि में मौसम शुष्क रहा।

मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान
(१३-१७ जून, २०२०)

- ग्रामीण कृषि मौसम सेवा, डा०आर०पी०सी०ए०यू०, पूसा, समस्तीपुर एवं भारत मौसम विज्ञान विभाग के सहयोग से जारी १३-१७ जून तक के मौसम पूर्वानुमान के अनुसारः-
- पूर्वानुमानित अवधि में मानसून के आगमन की सम्भावना के कारण वर्षा की सम्भावना में वृद्धि होगी और इसके प्रभाव से उत्तर बिहार के जिलों में अधिकतर स्थानों पर हल्की से मध्यम वर्षा हो सकती है।
- इस अवधि में अधिकतम तापमान ३० से ३३ डिग्री सेल्सियस एवं न्यूनतम तापमान २३-२६ डिग्री सेल्सियस के बीच रहने का अनुमान है।
- पूर्वानुमानित अवधि में औसतन १०-१४ कि०मी० प्रति घंटा की रफ्तार से पूरवा हवा चलने का अनुमान है।
- सापेक्ष आर्द्रता सुबह में ७० से ७५ प्रतिशत तथा दोपहर में ४० से ४५ प्रतिशत रहने की संभावना है।

• समसामयिक सुझाव

- मध्यम अवधि के धान के किस्मो को बीजस्थली में गिराने का काम करे। इसके लिए संतोष, सीता, सरोज, राजश्री, प्रभात, राजेन्द्र सुवासनी, राजेन्द्र कस्तुरी, राजेन्द्र भगवती, कामिनी, सुगंधा किस्में अनुशंसित है। एक हेक्टेयर क्षेत्रफल में रोपाई हेतु ८००-१००० बर्ग मीटर क्षेत्रफल में बीज गिरावें। नर्सरी में क्यारी की चौराई १.२५-१.५ मीटर तथा लम्बाई सुविधा अनुसार रखें। बीज को गिराने से पहले बविस्टिन २.० ग्राम प्रति किलोग्राम की दर से बीजोपचार करें।
- गन्ना फसल में अभी गलित शिखा रोग ;ज्चच तवज कपेमेंमद्ध के प्रकोप की संभावना है। इस रोग से लगभग २.० से २२.५ प्रतिशत तक एवं उग्र अवस्था में ८० प्रतिशत तक उपज एवं ११.८० से ६५.० प्रतिशत तक की चीनी की मात्रा में कमी हो जाती है, जिससे किसान एवं चीनी मिलों का काफी हद तक नुकसान सहना पड़ता है। बिहार के वातावरण में इस रोग को वृद्धि हेतु तापक्रम २४-२८ डिग्री सेल्सियस, नमी ७५-८५ प्रतिशत एवं ७००-१००० मि०मी० वर्षा उपयुक्त पाया गया इस रोग से अक्रांत पौधे के शीर्ष भाग की पत्तिया घुमावदार हो जाती है तथा अक्रांत बिन्दु से पत्तिया टूटकर नीचे झुक जाती है एवं पौधों की वृद्धि विन्दु सड़ जाती है एवं पौधे की बढ़वार रुक जाती है। गन्ना फसल पर इस रोग का लक्षण दिखाई देने पर कार्बन्डाजीन (फफूँदनाशी) का ०.१ प्रतिशत दवा कों १ लीटर पानी में घोलकर १५ दिनों के अन्तराल पर तीन बार छिड़काव करने से रोग वृद्धि में कमी होती है।
- खरीफ प्याज की नर्सरी (बीजस्थली) गिरावें। छोटी-छोटी उथली क्यारियों जिसकी चौड़ाई एक मीटर एवं लम्बाई सुविधानुसार रखें। बीज को पंक्तियों में गिरावें। नर्सरी में जल निकास की व्यवस्था रखें। एन०-५३, एग्रीफाउण्ड डीक रेड, अर्का कल्याण, भीमा सुपर खरीफ प्याज के लिए अनुशंसित किस्में है। बीज गिराने के पूर्व बीज को केप्टन या थीरम/ २ ग्राम प्रति किलो बीज की दर से मिलाकर बीजोपचार कर लें। बीज की दर ८-१० कि०ग्रा० प्रति हेक्टेयर रखें। बीज प्रमाणित स्त्रोत से खरीदकर ही लगावें।
- जो किसान भाई अब तक ओल, हल्दी एवं अदरक की की रोपाई नही किये हैं, वे अतिशीघ्र रोपाई करें।
- बरसाती सब्जियाँ जैसे- भिंडी, लौकी, नेनुआ, करैला, खीरा की बुआई करें। इस मौसम में मिर्च की खेत में विषाणु रोग (पत्तियों का टेढ़ा-मेढ़ा होना) का प्रकोप अधिक देखने को मिलता है, इसके बचाव हेतु ग्रसित पौधे को उखाड़ कर जमीन में गाड़ दे तथा इमिडाक्लोप्रिड एक मी०ली० प्रति ३ लीटर पानी की दर से घोल बनाकर आसमान साफ रहने पर छिड़काव करें।
- मूंग, उरद की तैयार फलियों की तुड़ाई कर ले तथा हरी खाद हेतु उसके पौधों को मिट्टी पलटने वाले हल से जमीन में गाड़ दें।
- पशु चारा के लिए ज्वार, बाजरा तथा मक्का की बुआई करें । इसके साथ मेथ, लोबिया तथा राईस बीन की बुआई करें। पशुओं के प्रमुख रोग एन्थ्रेक्स, ब्लैक क्वार्टर (डकहा) एवं एच०एस० (गलघोंटू) से बचाव के लिए पशुओं को टीके लगावें। पशुओं को दिन में छायादार सुरक्षित स्थानो पर रखे तथा अधिक मात्रा में स्वच्छ पानी पिलायें। दूधारु पशुओं के खाने में प्रोटीन की मात्रा बढ़ा दें तथा नियमित रुप से दाने के साथ कैल्सियम भी खिलायें।

आज का अधिकतम तापमानः ३४.५ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से १.३ डिग्री कम	आज का न्यूनतम तापमानः २२.६ डिग्री सेल्सियस, सामान्य से ३.२ डिग्री कम

(डॉ० गुलाब सिंह)
तकनीकी पदाधिकारी

(डॉ० ए. सत्तार)
नोडल पदाधिकारी